वर्ष: 4, अंक: 6

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

हिन्दी (मासिक), जून- 2016, सिरोही, पृष्ठ: 4, मूल्य : 6 रुपए

शिव आमंत्रण

जीवन प्रबंधन में राजयोग अति आवश्यक ...पेज - 2

आत्मा और शरीर की संपूर्णता का आधार : राजयोग ...पेज - 2

बरसात के लिए किया सामूहिक ध्यान ...पेज - 3

दादी जानकी को लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड ...पेज - 3

सब मिल कर लाएंगे स्वच्छता की क्रांति ...पेज - 4

संस्था का हर कार्य सबको प्रेरणा देने वाला : सेखिया ...पेज - 4

कुंभ मेले में ब्रह्माकुमारीज ने बिखेरे आध्यात्म के रंग, राजयोग है परमात्मा से मिलने का सर्वोत्तम मार्ग - स्वामी चिदानंद सरस्वती

सिंहस्थ कुम्भ में बह रही ज्ञान की गंगा

शिव आमंत्रण ■ उज्जैन

कई वर्षो के बाद उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट पर लगने वाले सिंहस्थ कुम्भ में पूरे विश्व के लोग स्नान कर जीवन में सुख-शांति के लिए कालों के काल महाकाल परमात्मा के दर्शन करते हैं। इसके लिए कई किमी में लगे इस कुम्भ मेले में लाखों की संख्या में लोग आन्तरिक शुद्धिकरण के लिए भारत के कोने-कोने के साथ ही पूरे विश्व से श्रद्धा और भावनाओं को संजोये आते हैं। इसी कड़ी में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय इंदौर जोन की ओर से सत्यम शिवम सुन्दरम आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया गया है। जिसे विशालकाय पंडाल के रूप में सजाया गया है।

इस सत्यम शिवम सुन्दरम आध्यात्मिक मेले का उद्घाटन करते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा की ओम शान्ति का अनहद नाद हमारे अंदर गूँजता रहे। ओम शान्ति के सही अर्थ को मानना, जानना और करना तीनों ठीक हों तो ओम शान्ति का महामंत्र जीवन में सुख, शान्ति और परिवर्तन लाने में मददगार सिद्ध होगा। दिल से अगर इसका अभ्यास करतें है तो जीवन में पवित्रता, सुख, शान्ति और प्रेम आता है। यह सिर्फ जानकारी तक ही सीमित न हो किन्तु उसे जीवन में धारण करने की जरूरत है।

अध्यात्मिक मेले का उद्घाटन करते शिक्षा राज्यमंत्री पारस जैन, सिंहस्थ मेला आयोजक समिति के सचिव माखन सिंह, परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष षिकेश स्वामी चिदानंद सरस्वती, ज्ञानामृत के संपादक बीके आत्मप्रकाश, ब्रहमाकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी, बीके मुन्नी और शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष बीके मृत्युंजय व (इनसेट) उज जैन में ब्रह्मा कुमारी की ओर से निकाली गइ रैली में बड़ी संख्या में उपस्थित बीके भाई-बहनें।

परमार्थ निकेतन आश्रम, ऋशिकेष के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि मेला लोगों के मेल- मिलाप के लिए होता है न कि मैला होने के लिए। मेला अनुशासन के हाथ में हो, शासन के हाथ में नहीं। योग और राजयोग आत्मा और परमात्मा से मिलने का मार्ग प्रशस्त करता है जो ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान सीखा रही है। उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से क्षिप्रा को प्रदूषण से बचाने और उसमें नहाते समय साबुन का उपयोग न करने की शपथ दिलाई साथ ही पर्यावरण बचाने के लिए एक पौध भेंट की।

केन्द्रीय सिंहस्थ मेला आयोजन समिति के सदस्य माखन सिंह ने बतलाया कि पुराण में उल्लेख है कि अमृत के लिए देव और दानवों में संघर्ष चला। अब फिर से वही अच्छाई के लिए संघर्ष करने का समय आया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ब्रह्माकुमारीज़ के इस मेले से समाज को सुखमय बनाने में मदद मिलेगी। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय तथा कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी ने कहा कि इस मेले में पानी के स्नान के साथ ज्ञान का भी स्नान करें तभी शरीर के साथ-साथ आत्मा की शुद्धि होगी।

चारधाम उज्जैन के महामण्डलेश्वर स्वामी शान्ति स्वरूपानंद गिरी जी ने कहा कि समाज की वर्तमान हालात को देखतें हुए आज पुन: मंथन और चिंतन करने का समय आ पहुंचा है। हमें आत्म साक्षात्कार की आवश्यकता है। इस आध्यात्मिक वातावरण को देखकर लगता है कि सतयुग अवतरित हुआ है। माउण्ट आबू से पधारे ज्ञानामृत पत्रिका के सम्पादक तथा मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके आत्मप्रकाश ने कहा कि इस आध्यात्मिक मेले से मुनष्य को उसके सबसे बड़े प्रश्न, मैं कौन हूँ? का जवाब मिलेगा, जिससे वह देह अभिमान के भस्मासुर को जड़ से नष्ट करने का प्रयास करेगा। इन्होंने भी व्यक्त किये अपने विचार: इस अवसर पर इंदौर जोन प्रभारी बीके कमला, भिलई सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके आशा, इलाहाबाद सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके मनोरमा, उज्जैन सेवाकेन्द्र संचालिका बीके उषा, इंदौर की प्रभारी बीके हेमलता समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

दो किमी निकली पेशवाई

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के आगमन पर पूरे मेले में पेशवाई अर्थात् शोभायात्रा निकाली गयी। दस घोड़े सवार, बग्गियों पर सजा दादी का कारवा, सिर पर कलशधारी बहनें तथा हजारों की संख्या में लोगों के हाथों में शिव ध्वज और स्लोगन के बैनर और पोस्टर थे। इस रैली का उद्घाटन राज्य के शिक्षामंत्री पारस जैन ने किया।

यह था प्रमुख आकर्षण

पहाड़ों से प्रकट होती नव देवियां, सिंहस्थ कुम्भ के आध्यात्मिक रहस्यों के साथ सागर मंथन, स्वर्गीक दुनिया सत्यम शिवम सुन्दरम आध्यात्मिक मेला में आकर्षण का केन्द्र हैं। इसके साथ संस्था का इतिहास तथा कई विषयों पर स्टॉल लगाये गये हैं।

मन में हो शांति

आज पूरे विश्व में शांति एवं सद्भाव की जरूरत है। यह तभी हो। जब हमारे अन्दर मूल्यों का संचार हो।। यह कार्य ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान कर रहा है। - **पारस जैन,** शिक्षामंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल

सत्यम् शिवम् सुंदरम्

इस मेले की सुन्दरता इस सत्यम शिवम सुन्दरम आध्यात्मिक पंडाल से निखर रही है। यहॉ का आत्म ज्ञान लोगों के जीवन में सुख और शांति का संचार करेगा। - **चिंतामणि मालवीय,** सांसद, उज्जैन

सामूहिक प्रयास करें

जिस दिन सभी संस्थाएं और धर्म एक हो जाएं,उस दिन विषम परिस्थितियां दूर हो जाएंगी। एकता के सूत्र में बंधकर सामूहिक प्रयास करने चाहिए। - **नरेंद्र गिरी महाराज,** अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद, हरिद्वार

आत्मा को न भूलें

व्यक्ति जब आत्मा को भूल जायेगा तब तक विकृतियां, विसंगतियां कायम रहेगी। विश्व एक परिवार है। इस सूत्र में बांधने के लिए राजयोग जरूरी है। - **प्रज्ञा पीठाधीश्वर** स्वामी प्रज्ञानंद जी महाराज, दिल्ली

राजयोग सर्वश्रेष्ठ

ब्रह्मकुमारी संस्था से मैं 20 साल से जुड़ा हुआ हूँ। महिला शक्ति जागृत है इसका यहां एहसास होता है। राजयोग सर्वश्रेष्ठ है। - **स्वामी अलखगिरी महाराज,** दशनाम जूना अखाड़ा के महामण्डलेश्वर, भरूच

यह है संस्कृति दर्शन

यह सब हमारी संस्कृति और संस्कारों का दर्शन है। मन्सा, वाचा, कर्मणा को इन्होंने मुठ्ठी मे बांध लिया है। - **अनंतानंद महाराज,** - महामण्डलेश्वर गंगाभजन आश्रम, हरिद्वार

अद्भुत अनुभव

झाकियों के दर्शन से ऐसा अनुभव हुआ कि बैठे-बैठे देवियों के धाम की यात्रायें हो गई। प्रजापिता ब्रहमाकुमारी विश्व विद्यालय के कार्य सराहनीय है। - **स्वामी जनार्दन महाराज,** जलगांव

सबसे बड़ी मानव सेवा

मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। इसके लिए स्वयं को पवित्र बनाकर परमात्मा को याद करें और ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्रों पर जाकर ये ज्ञान अवश्य लें। **-पायलट बाबा,** महामण्डलेश्वर, जूना आखाडा

मराठवाड़ा में जल स्तर 400 फीट के नीचे

मराठवाड़ा में ब्रह्माकुमारीज संस्थान का जल वितरण

पानी की प्रतीक्षा में खड़े लोग।

शिव आमंत्रण, अम्बाजोगाई/लातूर। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में पिछले तीन वर्षों से भीषण अकाल पड़ा है जिसमें चारो ओर त्राहि-त्राहि मच गयी है। ऐसे में लोगों को पीने के पानी का संकट पैदा हो गया है। जल का स्तर 400 फीट के नीचे चला गया है। सबसे ज्यादा प्रभावित मराठवाड़ा, लातूर और बीड जिलों में है। इस संकट की घड़ी में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए जरूरतमंद लोगों को प्रतिदिन एक लाख 66 हजार लीटर जल का वितरण कर रही है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के महाराष्ट्र जोन खासकर लातूर, अम्बाजोगाई समेत कई स्थानों के सेवाकेन्द्र अभियान चलाकर पीने का पानी मुहैय्या कराने का प्रयास कर रहे है। अभियान का शुभारंभ अम्बाजोगाई शहर के सेवाकेंद्र द्वारा किया गया। अम्बाजोगाई, उद्गीर, लातूर, उस्मानाबाद और आसपास के गावों में पानी का वितरण शुरू है। लातूर के धनेगाँव डॅम में तो पानी का बूंद भी नहीं है। ब्रह्माकुमारी संस्थान हर रोज प्रभावित गांवों को 1 लाख 66 हजार लीटर पानी की मदद दे रहा है। कई टैंकरों की मदद से पानी खरीद कर संस्थान व्यवस्था कर रहा है। सूखे की गम्भीरता को देखते हुए ब्रह्माकुमारीज़ ने एक तत्काल एक्शन प्लान बनाया है। दो टैकरों की मदद से गाँवों में समय प्रति समय पानी पहुंचाया जा रहा है। साथ ही एक टैंकर शहर में पानी का वितरण कर रहा है। यह प्रक्रिया बारिश होने तक जारी रहेगी।

सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके सुनीता ने टैंकर की पूजा करके शिव ध्वज दिखाकर पानी वितरण शुरू किया एवं बीके प्रयाग ने और मान्यवरों ने नारियल तोड़कर शुभकामनाएं दी।

पानी का वितरण ब्रह्मा कुमारीज संस्थान के टेंकर द्वारा किया गया।

राजयोग परमात्म मिलन का आधार : सिंह

जीवन का प्रबन्धन राजयोग से सम्भव : बीके शिवानी

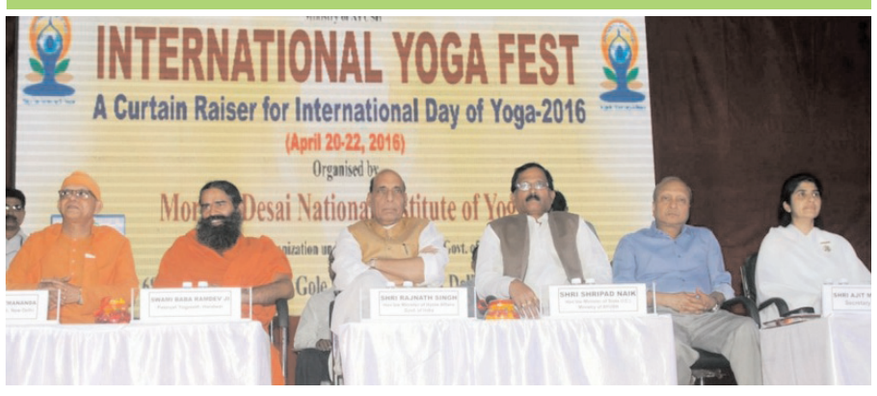

तालकटोरा स्टेडियम के इंटरनेशनल योगा फेस्ट में उपस्थित बाबा रामदेव, राजनाथसिंह, श्रीपाद नाईक, बीके शिवानी आदि।

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। सामंजस्य, संतुलन और समग्रता यह तीन योग के मूल तत्व है। यह योग से ही सम्भव है। इससे मनुष्य के साथ जो संबंध है वह तो अच्छे बनेंगे ही साथ ही साथ परमात्मा से भी सम्बन्ध अच्छे हो जायेंगे। उक्त उद्गार भारत के गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने व्यक्त किये।

वे आयुष मंत्रालय एवं मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इंटरनेशनल योगा फेस्ट के विशाल कार्यक्रम मे वह बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि योग और अध्यात्म भारत की संस्कृति रही है। मनुष्य शब्दों से नहीं बल्कि कृतियों से विभूषित हो सकता है। इस योग के कार्यक्रम के कारण ही 21 जून का दिन भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में एक मेगा का रूप धारण कर चुका है। योग तो हमारे भारत की एक सांस्कृतिक विरासत है। ढाई करोड़ लोग पूरी तरह से योग से जुड़ चुके है। उनकी जीवनशैली का यह हिस्सा बन चुका है।

ब्रह्माकुमारीज़ की जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ बीके शिवानी ने कहा, कई बार बहुत व्यायाम करने के बाद भी सेहत ठीक नहीं रह पाती है। इसका कारण अशुद्ध विचार और तनाव है। मन-बुद्धि परमात्मा से जोड़ेंगे, उनकी सारी शक्ति आत्मा के अंदर भरेंगे तो आत्मा का एक-एक संस्कार शुद्ध हो जायेगा। सोच शुद्ध हो जायेगी, मन खुश हो जायेगा, तो ये वायब्रेशन शरीर में पहुँचेगें तो शरीर निरोगी हो जायेगा और ये वायब्रेशन सृष्टि में जायेगें तो सृष्टि शुद्ध हो जायेगी। अत: राजयोग ही इस सृष्टि पर स्वर्ग ला सकता है। इस अवसर पर आयुष के केंद्रीय राज मंत्री श्रीपद येस्सो नाईक ने कहा, योग हमारे जीवन से जुड़ा हुआ एक अंग है।

बाहर ढूंढ रहे खुशी

आज हर एक बाहर खुशी ढूढ़ रहा है, लेकिन वह हमारे अंदर है। मन-बुद्धि से सुसंवाद ही योग है। जीवन में असमानता भी योग से नष्ट हो सकती है। विविध क्षेत्र में योग के बहुत लाभ है। तनाव कम या नष्ट करने में भी योग उपयोगी है। पतंजलि योग गुरू बाबा रामदेव ने कहा, एक आम आदमी के लिए योग क्या है? उसकी अपनी जिंदगी से योग शुरू होता है। एक आदमी योग करता है तो शारीरिक रूप से वह बहुत सबल रहता है। योग से हम पांच प्रतिशत मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक बल का उपयोग कर सकते है। योगी व्यक्ति का शारीरिक, बौद्धिक, आत्मिक सामर्थ्य बहुत ही बढ़ जाता है।

इन्होंने रखे विचार

इस अवसर पर संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, जनसंपर्क व सूचना निदेशक बीके करूणा, ओआरसी की निदेशिका बीके आशा, हरीनगर सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके शुक्ला समेत कई ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

दुनिया को रास्ता दिखाएं

अजित मोहन शरण, केन्द्रिय राज्यमंत्री, आयुष मंत्रालय, दिल्ली ने कहा कि दुनिया को रास्ता मिलेगा तो वह केवल योग चिंतन और संस्कृति से ही सम्भव है। सभी लोगों को मिलकर इसे पूरे विश्व में प्रोत्साहित करना चाहिए। योग और राजयोग इसकी विद्या है।

संघर्षों से ही मिलती है सफलता

देव संस्कृति विश्व विद्यालय के प्रो वाईस चांसलर डॉ. चिन्मय पाण्ड्या ने कहा, योग की बात राष्ट्रीय स्तर पर ली यह गर्व की बात है। युवाओं की व्याख्या करते हुए उन्होने कहा, संघर्षो के सोपानों पर चढ़कर सफलता प्राप्त करने वाले को युवा कहते है। लम्बें समय तक ताप और दबाव सहन करने के बाद कोयला हीरा बन जाता है। जिनका उत्साह ठंडा पड गया है, जिनके अंदर दयाभाव पैदा नहीं होता है वह बुढ़े है।

त्रिसूत्री से विश्व बन जाएगा स्वर्ग

साध्वी भगवती सरस्वती, अध्यक्षा, डिवाईन शक्ति फाऊंडेशन, दिल्ली ने कहा कि अहिंसा, सत्य और दयाभाव इन त्रिसूत्री से पूरा विश्व स्वर्ग में बदल जायेगा। एकता लाने के लिए प्रधानमंत्री ने यह योग कार्यक्रम जाहिर किया है।

संपादकीय

बीके करूणा

योग के साथ राजयोग का समावेश जरूरी

पूरे एक वर्ष के बाद पुन: देश और दुनिया में योग के प्रति लोगों की दिवानगी साफ दिखेगी। हालाकि अब लोगों का रूझान योग के तरफ काफी बढ़ा है। कुछ बाबा रामदेव तो कुछ अलग अलग माध्यमों से लोगों ने योग कराना प्रारम्भ कर दिया है। परन्तु जिस तरह से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र में योग के लिए प्रस्ताव रखा गया और संयुक्त राष्ट्र ने बिना बिलम्ब किये इसे स्वीकार करते हुए घोषणा कर दी। इसका सीधा असर पूरी दुनिया भर के लोगों पर पड़ा। समस्त विश्व के कुछ देशों को छोड़ दिया जाये तो हर देश के लोगों ने इसमें हिस्सेदारी निभायी। निश्चित तौर पर यह एक क्रांतिकारी पहल थी। अब पुन: योग दिवस यानि 21 जून आ रहा है। जिसके लिए लोगों के साथ प्रशासन में उमंग उत्साह अपने चरम पर है। परन्तु योग केवल एक शारीरिक स्तर तक ही सीमित ना रहे। क्योंकि शरीर का विकास स्वस्थता तो दे सकता है परन्तु सर्वांगीण विकास नहीं। क्योंकि आज यह सिद्ध हो चुका है कि अधिकतर बीमारियों का कारण मनुष्य का मन है। क्योंकि यदि मन दूषित है तो वह कभी भी स्वस्थ नहीं रह सकता। परमात्मा ने गीता में मनुष्य के अन्दर से काम, क्रोध, लोभ मोह और पांच विकारों को समाप्त करने के लिए योग सिखाया था। यही वह राजयोग है जिसके जरिये हम आत्मा और उसके विकास की पहल में भागीदार बन सकते है। इससे ही मनुष्य के जीवन में तरक्की हो सकती है। जिस मकसद से योग प्रारम्भ हुआ है वह तभी सार्थक होगा जब हम आत्मा के सभी गुणों का भी विकास करेंगे। इससे ही समाज में बेहतरी का प्रयास सफल होगा और श्रेष्ठ समाज की ओर हम अग्रसर होंगे।

जीवन प्रबंधन में राजयोग अति आवश्यक

मेरी कलम से

प्रोफेसर राधाकृष्णन, आई.आई. एम. कोंज़िकोड़ में डीन एवं प्रोफेसर है ।से बातचीत पर आधारित

योग की शक्ति ने मुझे जीवन में विशतम परिस्थितियों को सामना करने के काबिल बनाया और मुझमें एक ऐसी अनोखी शक्ति भर दी कि आज मैं जीवन की किसी भी परिस्थिति को सहज ही पार कर पाता हूँ ।

वैसे तो कई लोग ये मान्यता रखते हैं कि आध्यात्मिकता एक ऐसा विषय है जिसके विषय में हमे 60 वर्ष की आयु के बाद ही सोचना चाहिये, इस से पहले इसके विषय में सोचना एक भूल ही होगी ।

परन्तु आज की परिस्थितियों और परेशानियों से भरे इस तकनीकी युग में बहुत आवश्यक है कि हम अपने मन को शांत और स्थिर रख पायें ।

यदि हम ऐसा कर पाने में असमर्थ होते हैं तो विश्व का कोई भी प्रबंधन संस्थान हमें मदद करने में असमर्थ ही अनुभव करेगा । प्रबंधन हमें सिखाता है कि कैसे हम बाहरी जगत के संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करें और लोगों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें । आध्यात्मिकता हमें सिखाती है कि कैसे हम हम अपनी आन्तरिक शक्तियों रुपया संसाधनों का प्रयोग कर अपने मन से बेहतर कार्य कैसे करवा पायें। यदि आंतरिक स्टार पर हमारा मन स्थिर नहीं होगा तो क्या हम दुसरे लोगों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित कर पाएंगे ।

व्यावहारिक पहलू भी समझें

जो दीपक स्वयं बुझा हुआ हो वो दुसरे दीपकों को जलने में समर्थ हो सकता है क्या। प्रबंधन में आध्यात्मिकता का महत्व प्रबंधन में हम जीवन के पहलुओं के विषय को परिदृश्यों तथा सिद्धांतों के माध्यम से समझने का प्रयास करते हैं परंतुय व्यवहारिक पहलुओं को समझने के लिए राजयोग मैडिटेशन सीखना अति आवश्यक है ।

प्रबंधन के सिद्धांत हमें व्यवहारिक बातें सिखाने के लक्ष्य से बनाये गए हैं पर सही मायने में व्यावहारिकता हम तभी सीख पाते हैं जब योग के माध्यम से हम स्वयं को जों दूसरों को भी समझने लगते हैं।

आध्यात्मिकता प्रबंधन में किस प्रकार सहायक हैआध्यात्मिकता हमारा सर्वांगीण विकास करने में , निर्णय शक्ति को बढाने में तथा अपने निज स्वार्थ से ऊपर उठकर सर्व के कल्याण प्रति सोचने में हमें मदद करती है । इस से युवा पीढ़ी के लोगों को समय प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ती है और वे कार्यक्षेत्र और पारिवारिक जीवन का एक बेहतरसंतुलन बना पाते हैं ।

योग हमें परिस्थितियों को सही मायने से समझने में बेहद लाभकारी साबित होता है और हम साक्षी भाव से एक समग्र दृष्टिकोण के साथ बेहतर निर्णय ले पाने में सफल हो पते हैं। सहयोगियों के प्रति सही दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद करता है और मेरे निज जीवन में पिछले 5 साल से कॉलेज के डीन के रूप में एक आदर्श भूमिका निभाने में ये मेरे बहुत ही उपयोगी साबित हुआ है। योग हमें जीवन में ऐसी चुनौतियों स्वीकार करने के काबिल बनता है जो अन्यथा हम बहुत ही कठिन और असंभव मानते हैं ।

आध्यात्मिकता प्रबंधन में किस प्रकार सहायक

आप अपने दिल पर हाथ रख कर सोचते हो कि यह क्या हो रहा है? क्या आप सोचते हो कि इस तरह चीखने-चिल्लाने से और बड़ी विदारक सी भाषा बोलने के बाद जो तुम्हें मारना चाहते है वह तुम्हें छोड़ देंगे? वह नहीं बचा पायेगा। अगर शेर के आगे हिरन कहने लग जाए, उसके आगे नतमस्तक होने लगे, कहेगा हे शेर मुझे मत खाना। क्या शेर उसको छोड़ेगा? ऐसे में शक्ति का रूप जरूरी है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में बहनें और भाई जो पूरे विश्व में कार्य कर रहे हैं, इससे ही समाज में सकारात्मक बदलाव आयेगा। मैं तो लम्बे समय से ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुड़ी हूँ। मैंने देखा कि मेरे जीवन में बहुत ही सकारात्मक परिवर्तन आया है। परमात्मा जीवन में सुख-शांति का संचार कर रहे हैं। निश्चित तौर पर एक दिन दुनिया बदलेगी।

राजयोग का नियमित अभ्यास ही सफलता की कुंजी.

प्रोफेसर राधाकृष्णन, आई.आई. एम. कोंजिकोड़ के डीन के रूप के कार्यरत हैं तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय से पिछले 16 वर्षों से नियमित रूप से जुड़े हुए हैं। शिव आमंत्रण संवाददाता से बात करते हुए उन्होंने बताया कि राजयोग के नियमित अभ्यास से जीवन बहुत ही सरल हो गया और हर कार्य को करना बहुत ही सहज अनुभव होता है। मेरा मानना है कि आज के समय में हर उम्र वर्ग के लोगों को राजयोग की शिक्षा अवश्य लेनी चाहिए जिससे वे अपने जीवन को नयी दिशा देने और हर कार्य में सफलता प्राप्त कर पाएंगे।

जीवन प्रबंधन

योग से ही मिलेगी सच्ची शांति

योग का अर्थ होता है जुड़ना । जब हम अपने सच्चे आत्मिक पिता से जुड़ते हैं तो मन को एक ऐसी बेहद खुशी और शांति की अनुभूति होती है जिसे शब्दों में कह पाना बहुत कठिन है । यदि हम शांति और अंतर्मुखता के इस रहस्य को समझ जाएँ तो हम अपना समय जादा बात करने में न गंवाकर, अपने अन्दर छिपी इस शांति और खुशी की अनुभूति करने में लगायेंगे । हम अपनी शांति और सरलता की शक्ति से हर वो कार्य कर सकते हैं जो बोलकर या समझकर करवाना कठिन अनुभव होता है । तो मेरे प्यारे मीठे भाइयों और बहनों मैं आपको निमंत्रण देती हूँ कि आओ और राजयोग के द्वारा सदा काल की सच्ची खुशी और शांति की अनुभूति करो और अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाओ ।

- दादी जानकी, मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

योग से ही होगा तन और मन स्वस्थ

हमारा हर शब्द, विचार और कर्म हमारी स्वयं की ही रचना है ।

परिस्थितियां बाहरी होती हैं परन्तु उनके प्रति हमारा नजरिया और सोच हमारी स्व इच्छा होती है । व्यक्ति हो सकता है हमें धोका दे, बेइमानी करे , बुरा-भला बोले परन्तु उसके इस बर्ताव से हम जो विचार मन में लाते हैं उसके जिम्मेदार हम खुद होते हैं ना कि कोई दूसरा व्यक्ति । हम स्वयं ही दु:ख के विचार रचते हैं और स्वयं को आघात करते हैं और कहते हैं कि हमे सामने वाले व्यक्ति ने दु:ख दिया । उसने दु:ख नहीं दिया, दु:ख तो मैंने स्वयं अपने विचारों द्वारा रचा । जब तक हम ये ज़िम्मेदारी नहीं लेंगे की हमारी मन की स्थिति, तथा विचारों के ज़िम्मेदार हम खुद हैं तब तक हमारी खुशियों का, हमारी शांति का रिमोट कण्ट्रोल हमेशा किसी नहरी व्यक्ति या परिस्थितिउ के पास रहेगा और वे जब चाहेंगे हमारे खुशी का चैनल बदलकर दुखी होने पर मजबूर कर देंगे । यदि हम यही कहते रहे के हम अपनी आदत नहीं बदल सकते, हम तो हमेशा से ही ऐसे हैं , तो यह एक नकारात्मक विचार हम अपने मन को दे रहे हैं और उसे सदा के लिए परिस्थितियों के भरोसे छोड़ रहे हैं ।

-बीके शिवानी, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, गुड़गांव

आत्मा और शरीर की संपूर्णता का आधार : राजयोग

योग भारत की प्राचीन सभ्यता का एक अहम् हिस्सा है पर पिछले वर्ष इसके प्रति लोगों की जागरूकता काफ़ी बढ़ी है । संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस इसका मूल कारण रहा है । तो आइये योग के इस गहन विषय को और गहराई से समझने और जानने की कोशिश करते हैं । योग का प्रयोग आंतरिक विज्ञान के रूप में भी किया जाता है, जो विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं का सम्मिलन है, जिसके माध्यम से मनुष्य शरीर एवं मन के बीच सामंजस्य स्थापित कर आत्म साक्षात्कार करता है। वर्तमान समय में हुए चिकित्सा शोधों ने योग से होने वाले कई शारीरिक और मानसिक बीमारियों में लाभ के रहस्य को उजागर किया है। यही नहीं लाखों योग अभ्यासियों के अनुभव के आधार पर इस बात की पुष्टि की जा सकती है कि योग किस प्रकार सहायता कर सकता है। योग का आधार माने जाने वाले पतंजलि योग सूत्र के अनुसार योग को अष्टांग मार्ग के रूप में बताया गया है, जिसमें योग के आठ विभिन्न आयाम बताये गए हैं । आज हम जिन योगासनों को संपूर्ण योग मान बैठे हैं वो तो दरअसल इस अष्टांग मार्ग का एक आयाम मात्र है। अष्टांग मार्ग के यह आठ अंग हैं- (1)यम (2)नियम (3)आसन (4) प्राणायाम (5)प्रत्याहार (6)धारणा (।) ध्यान (8)समाधि। उक्त आठ अंगों के अपने-अपने उप अंग भी हैं। वर्तमान में योग के तीन ही अंग प्रचलन में हैं - आसन, प्राणायाम और ध्यान। इनके अतिरिक्त सभी आयामों को हम लगभग भुला ही बैठे हैं।वर्तमान समय की योग शिक्षाओं को सार रूप में देखें तो सभी प्रकार की योग विधाएं ध्यान को योग की अन्तिम और सर्वोच्च स्थिति के रूप में देखती हैं । आयुष मंत्रालय द्वारा जारी सामान्य योग अभ्यास में ध्यान के निम्नलिखित लाभ बताये गए हैं

अष्टांग योग

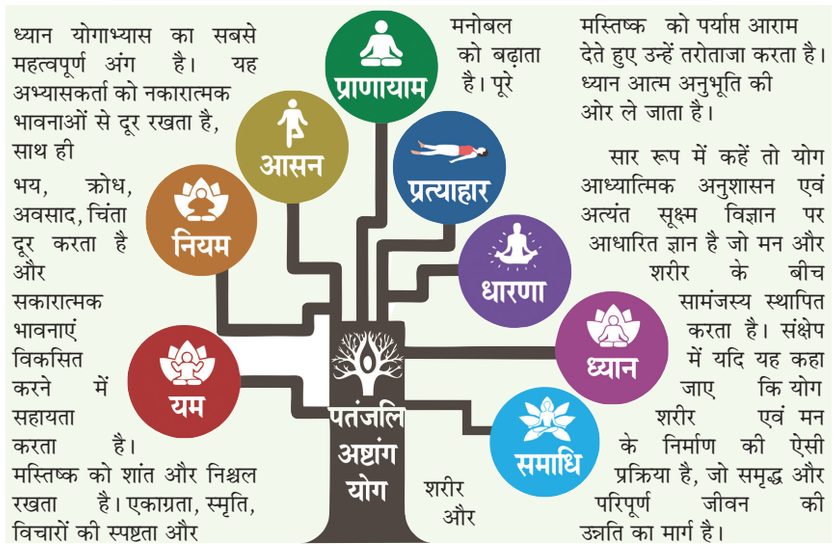

ध्यान योगाभ्यास का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। यह अभ्यासकर्ता को नकारात्मक भावनाओं से दूर रखता है, साथ ही भय, क्रोध, अवसाद, चिंता दूर करता है और सकारात्मक भावनाएं विकसित करने में सहायता करता है। मस्तिष्क को शांत और निश्चल रखता है। एकाग्रता, स्मृति, विचारों की स्पष्टता और मनोबल को बढ़ाता है। पूरे मस्तिष्क को पर्याप्त आराम देते हुए उन्हें तरोताजा करता है। ध्यान आत्म अनुभूति की ओर ले जाता है।

सार रूप में कहें तो योग आध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। संक्षेप में यदि यह कहा जाए कि योग शरीर एवं मन के निर्माण की ऐसी प्रक्रिया है, जो समृद्ध और परिपूर्ण जीवन की उन्नति का मार्ग है।

क्या ध्यान में मन को विचार शून्य करना इतना सहज है ?

ध्यान में सभी यह तो बताते हैं कि मन को शांत स्थिति में ले आयें और सकारात्मक विचार लायें परन्तु ये सकारात्मक विचार मन में टिकने की क्षमता कैसे विकसित हो, इसके विषय में हमारे योग पाठ्य म ज्यादा कुछ नहीं कहते है । जब भी हम मन को शांत करने, विचार शुन्य्या करने अथवा सकारात्मक चिंतन में लगाने का प्रयास करते हैं तो अचानक ही कोई अन्य विचार एके इसे बाधित कर देता है। और मन में यही बात आती है कि शायद ध्यान लगाना बहुत ही कठिन विधा है जिसे पहुंचे हुए ऋषि, मुनी, तपस्वी आदि ही कर सकते हैं और यह शहद हमारे बस की बात नहीं।

योग मन, शरीर, विचार, विमर्श, कर्म संयम व उपलब्धि की एकात्मकता तथा मानव व प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। इसमें स्वास्थ्य व कल्याण का भाव समाया है। योग केवल व्यायाम न होकर बल्कि आत्मिक स्तर पर मूल्यों का विकास करना है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत

ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा जो राजयोग मेडिटेशन सीखाया जा रहा वह देश के जवानों के लिए बहुत ही आवश्यक है। हमने यह अनुभव किया है कि इसके अभ्यास से मानसिक शांति की प्राप्ति होती है और जीवन में नैतिक मूल्यों का विकास होता है।

- किरन रिजीजू, गृहराज्यमंत्री, भारत सरकार

भारतीय संस्कृति की धरोहर राजयोग

वर्तमान समय में पूरे संसार में अनेक तरह के योग प्रचलित है। जिसके माध्यम से विभिन्न शारिरीक क्रियाओं द्वारा हम अपने शरीर को रोगमुक्त रख सकते है। आज के इस आधुनिक युग में भागदौड़ की जिन्दगी में हमें इस तरह के योग की बेहद आवश्यकता भी है क्योंकि दिन-प्रतिदिन अनेक तरह की नई-नई बीमारियाँ बढ़ रही है जिनका चिकित्सा जगत के पास भी कोई समाधान नहीं है लेकिन योग के माध्यम से हम अपने आप को निरोगी रख सकते है। आज के समय मनुष्य शरीर की बीमारियों से ज्यादा मानसिक व्याधियों से पीड़ित हैं। पारिवारिक कलह-क्लेश, रिश्तों में दबाव, मनमुटाव, तनाव, अवसाद आदि के कारण मानव अन्दर से खोखला होता जा रहा है। कई बार मनुष्य शारीरिक रूप से तो बिल्कुल स्वस्थ होता है लेकिन मानसिक असन्तुलन से उसका शारीरिक स्वास्थ्य कोई काम नहीं आता। अत: आज सबसे ज्यादा जरूरत है मन के सशक्तिकरण की। अगर मन का सशक्तिकरण हो गया, हमारा मन मजबूत हो गया तो यह मानसिक सशक्तिकरण एक नये समृद्ध समाज का सूर्योदय करने का माध्यम बन जायेगा । मन को ऐसा सबलीकरण केवल और केवल राजयोग के माध्यम से ही हो सकता है। राजयोग भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोहर रहा है। यह बहुत पुराने समय से ही मानव जीवन का अंग रहा है। इसका उद्देश्य तन, मन तथा आत्मा की शक्तियों का यथोचित समन्वय कर उत्तम चरित्रवान व्यक्तियों द्वारा श्रेष्ठ समाज का निर्माण करना है। योग की उत्पति कब हुई इसकी वास्तविक जानकारी तो किसी के पास नहीं है। लोगों का मानना है कि योग तो प्राचीनकाल से ही चलता आया है। उस समय योग सीखने के लिये सिद्ध महापुरुषों के पास जाना पड़ता था। उस समय में तो योग गुरूओं द्वारा अपने शिष्यों को सिखाया जाता था। धीरे-धीरे समय के अन्तराल में ये प्रक्रिया जटिल हो गई। यही कारण है कि आज मनुष्य राजयोग को जानता ही नहीं और अगर जनता भी है तो ये जरूर मानता है कि ये हमारी समझ से बाहर है।

राजयोग में मन के संकल्पों पर केन्द्रित होता है ध्यान, विचारों का होता है सुखद अहसास

राजयोग एक आन्तरिक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में हमारा पूरा ध्यान अपने मन में चलने वाले संकल्पों पर केन्द्रित होता है। जैसे नकारात्मक विचार या दु:ख, अशान्ति के विचार हमारे मन को चिन्ता तथा तनाव का अहसास कराते है, ठीक उसी प्रकार हम राजयोग के माध्यम से अपने विचारों को एक सुखद राह देते जाते है, सकारात्मक पथ देते जाते है जिससे हमारा मन स्वंय को शक्ति शाली महसूस करता है। वास्तव में अपने आत्मभाव और आत्मिक स्वरूप में स्थित होना ही राजयोग है। राजयोग द्वारा करें आत्मिक शक्ति यों को जागृत: हम अपने शरीर को संचालित करने वाली आत्मा को पहचाने, शरीर विनाशी है, अस्थायी है, ये महसूस करें या स्वंय को पहचाने और अपने सच्चे आत्मिक स्वरूप में अगर कुछ पल भी स्थित हो जाये तो हमारे अन्तर्मन की शक्ति याँ जो सोई हुई है वे जाग जाएगीं और हम अपने व्यावहारिक जीवन में आने वाली परिस्थितियों को सहज ही पार कर सकेंगें। राजयोग के माध्यम से हमारें संकल्पों की एकाग्रता हमारे मन को शांत स्थित में रखने में सहायक होती है और यही आज मनुष्य की वास्तविक जरूरत है। योग का अर्थ होता है जोड़ अथवा मिलन। आत्मा का परमात्मा के साथ आन्तरिक मिलन ही राजयोग कहलाता है। जब हमारा मन उसी परमशक्ति के गुणों तथा शक्ति यों को विधिवत् याद करता है और इसी दिशा में अपने विचारों को लगाता है तो इससे परमात्मा की शक्ति यों को हम अपने अन्दर महसूस करते हैं और हमारा अन्तर्मन इन सूक्ष्म शक्तियों से भरपूर होता जाता है। राजयोग इसकी अति सहज विधि है।

राजयोग से आंतरिक शक्तियों का विकास

तनाव से मुक्ति : आज बड़े-बड़े डॉक्टर्स भी तनाव का स्थायी इलाज नहीं निकाल पा रहे हैं । जब इनकी सहायता लेते हैं तो ऐसी दवाएँ दी जाती है जिससे दिमाग कुछ देर के लिये शान्त तो हो जाता है लेकिन ये कोइ स्थायी समाधान नहीं है। आइये जानने का प्रयास करते हैं की तनाव का मूलभूत कारन क्या है ? हम किसी एक बुरी या दु:खद घटना के बारे में बार-बार सोचते है तो यही बात बार-बार चिंतन करने के कारण तनाव का रूप ले लेती है। हम कई बार ये कोशिश भी करते है कि हमें इस बारे में कुछ भी नहीं सोचना, परन्तु कमजोर मन फिर उसी तरफ चला जाता है और फलस्वरूप हमें तनाव हो जाता है। राजयोग के माध्यम से हम सुखद विचारों को अपने मन में लाने की कला सीखते हैं और जब हमारा मन इन सुखद विचारों में रमण करता है तो हमारा अन्तर्मन सुख, शान्ति और आनन्द से भरपूर होता जाता है।

अनिद्रा से मुक्ति : भागदौड़ भरी जिन्दगी में जितना आगे बढ़ते जा रहे है, उतना ही हमारे मन के विचार भी हमारे नियंत्रण से बाहर होते जा रहे है। इस विषय में राजयोग एक परम औषधि है। राजयोग के द्वारा हम अपने विचारों को दिशा देने की विधि सीखते हैं। जब अपने विचारों को एक सकारात्मक दिशा मिलती है तो इन विचारों के द्वारा मिली शांति हमें गहरी नींद भी देती है और एक नई ऊर्जावान सुबह भी।

सम्बन्धों में मधुरता वर्तमान समय में एक बहुत बड़ी समस्या है कि हमारे पारिवारिक सम्बन्ध बिगड़ते जा रहे हैं, इन्सान का अहम भाव उसे कहीं भी, किसी भी बात में झुकने नहीं देता है। यही वजह है कि विचारों का टकराव ही सम्बन्धों में टकराव का रूप लेता जा रहा है लेकिन राजयोग के माध्यम से हमारे विचारों का स्तर बहुत ऊँचा होता जाता है। हम किसी भी छोटी-बड़ी बात में अपने रिश्तों को बहुत ही मधुरता के साथ प्राथमिकता देते हैं और यही प्राथमिकता हमारे सम्बन्धों को लम्बा जीवन देती है। इस मधुरता से जीवन में जो आनन्द भरता जाता है उससे अहम् भाव खत्म होता जाता है।

निश्चिंतता : राजयोगी जीवनशैली है ही सकारात्मक पद्धति पर आधारित। एक सामान्य व्यक्ति किसी भी बात को सही या गलत ढंग से सोच सकता है लेकिन एक राजयोगी किसी भी बात के हर पहलू को देखेगा ही सकारात्मकता से और सकारात्मकता में कहीं भी चिंता, तनाव या परेशानी नहीं होती है। सकारात्मकता तो हमें हर समस्या के समय जिम्मेदारी के साथ चिंता, तनाव से दूर रख एक सहज समाधान देती है और फिर कोई चिंता जीवन में नहीं आती है।

दैनिक जीवन में राजयोग करने की सरल विधि

हमारा योग हर समय किसी ना किसी व्यक्ति , वस्तु के साथ रहता ही है। योग का अर्थ है जुडना। हम किसी वस्तु या किसी व्यक्ति या मित्र-सम्बन्धी के बारे में सोच रहे हैं तो उस समय हम मन से उसके साथ जुड़े ही होते है। राजयोग में हम स्वंय के साथ तथा सर्वश्रेष्ठ परमपिता परमात्मा के साथ जुड़ते है।

यह विद्या अति प्राचीन है जो आज प्राय: लुप्त हो गई है। राजयोग का अभ्यास करने से हमारा मन परमात्मा के साथ जुड़ता है, जिससे आत्मा को अतिन्द्रिय सुख की अनुभूति होती है। आज जिस सुख-शान्ति की तलाश में हम बाहर भटक रहे है वह राजयोग के अभ्यास से हमें सहज ही अपने अन्दर अनुभव होती है। आज भौतिकता की चकाचौंध के कारण हम योगविद्या और परमात्मा से दूर हो गये है। किसी भी वर्ग, आयु के लोग जो योग करना चाहते है वो इस विधि का लाभ ले सकते है। कुछ लोग साल में थोड़ी बार ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर जाकर राजयोग का अभ्यास करते है तथा अन्य कई लोगों ने इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया है। राजयोग सभी को लाभान्वित करता है, चाहे वो कुछ समय आने वाले हो या लम्बे समय के अभ्यासी। हमने देखा है कि यह सभी के लिये कार्य करता है। जिन लोगों ने इसे अपने जीवन में शामिल किया है वो अपने जीवन को और भी अधिक समृद्ध और खुशहाल बना पाये है। राजयोग विचारों को शांतिपूर्ण और स्थिर करने का अति सहज मार्ग है। राजयोग द्वारा हमें जीवन में हर परिस्थिति में खुश रहने की शक्ति प्राप्त होती है। इस स्थिति में राजयोग एक सम्पूर्ण योग है जो हमारे शरीर और मन, बुद्धि को संयमित रखता है, हमारे विचारों में सकारात्मकता आती है।

सकारात्मक जीवनशैली ही संभव है हर तरह की बीमारियों से छुटकारा दिलाने में, चाहे वो मन से सम्बन्धित हो या तन से सम्बन्धित। हम अपने निजी जीवन में कई तरह के बदलाव चाहते हैं।

हमें अपनी कई कमजोरियों को छोडना चाहते है, जिससे हम तथा दूसरे दु:खी है लेकिन चाहते हुए भी हम अपने स्वभाव को छोड़ नहीं पाते और इसी तरह छोटी-छोटी बातों में मनमुटाव, शोध तथा गृह-क्लेश जैसी स्थिति से हमारे जीवन अशांत होता हुआ चलता जाता है। जीवन यात्रा में कोई सुखद अनुभूति नहीं हो रही होती है, जीवन कष्टदायी लगता है। अत: ऐसी स्थिति में राजयोग हमारे में बदलाव लाने में भावनात्मक रूप से सहायता करता है, हमारे विचारों का स्तर ऊंचा उठाता है और हम अपनी उन कमियों को बदल पाते है जो हमें दु:खी करती थी।

मील का पत्थर साबित हो रहा गॉडलीवुड स्टूडियो

गॉडलीवुड स्टूडियो नित प्रतिदिन नये आयाम स्थापित करता जा रहा है। इसमें आप सभी लोगों का परोक्ष अपरोक्ष सहयोग और साथ हमेशा मिल रहा है। कई विभागों के बाद अब कन्नड़ भाषा का भी प्रोडक्शन प्रारम्भ हो गया है। विधिवत इसका उदघाटन किया गया एक अलग से विभाग खुल गया है। अब दक्षिण भारत खासकर कर्नाटक से सम्बन्ध रखने वाले बड़ी संख्या में लोगों को भी अपनी भाषा में ज्ञान सुनने, समझने और परमात्मा के समीप जाने का मार्ग सुलभ होगा। परमात्मा ने हम सभी को जिम्मेदारी दी है। जिससे पृथ्वी पर रहने वाली समस्त मनुष्यात्माओं को परमात्मा का संदेश मिल सके। इसके लिए ही अध्यात्म और ज्ञान की गंगा का अविरल प्रवाह प्रारम्भ किया। आज दुनिया तेजी से एक नये मुकाम की ओर बढ़ती जा रही है। ऐसे में सबकी चाहत है कि उन्हें इन तकनीकियों का फायदा मिले और परमात्म मिलन के मार्ग पर अग्रसर हो सकें। इसके प्रयास के तहत गॉडलीवुड स्टूडियो एक नया मुकाम हासिल करता जा रहा है। आने वाले समय में निश्ति तौर पर और भी इस तरह के बेहतरीन कार्यों से शीघ्र ही परमात्मा का संदेश आम लोगों तक पहुंच जायेगा और लोग अपना जीवन श्रेष्ट बनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। वर्तमान समय की यही जरूरत है और परमात्मा का संदेश भी, जिसे गॉडलीवुड स्टूडियो पूरा करने का प्रयास कर रहा है और करता रहेगा। सभी के सहयोग से निश्चित तौर पर सफलता मिलेगी।

बीके हरीलाल, कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो, शांतिवन

लंदन की किंड्रेड स्पिरिट मैग्जीन ने दिया सम्मान

दादी जानकी को लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड

बीके दीक्षा पुरस्कार गृहण के बाद प्रसन्नचित मुद्रा में।

शिव आमंत्रण, लंदन। वेल-बींग फेस्टिवल के मंच पर इस बार दादी जानकी को लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड 2016 से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड लंदन की किंडर्ड स्पिरिट मैगजिन द्वारा दिया गया। इस अवसर पर पत्रिका के सम्पादक क्लेअर गिलमन तथा लेखक डेविड हेमिल्टन ने समारोह में स्वास्थ्य कारणों से दादी की अनुपस्थिति में लंदन की बीके दक्षा को भेंट किया। कार्यक्रम में लंदन के सुप्रसिद्ध लेखक डेविड हेमिल्टन ने कुछ समय पूर्व संस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू भ्रमण के अनुभवों को साझा किया तथा कहा कि वाकई मनुष्य को मनुष्य बनाने की पाठशाला माउण्ट आबू में है। इस समारोह के दौरान सभी वर्गों के अपने-अपने क्षेत्र में किये गये सराहनीय कार्यो के लिए भी प्रदान किया गया।

बरसात के लिए किया सामूहिक ध्यान

घाटकोपर सेवाकेंद्र का अनोखा आयोजन

घाटकोपर सेवा केंद्र की ओर से सूखा प्रभावित क्षेत्रों में जल्दी बारिश की कामना करते हुए ध्यान करतीं राजयोगी बहनें।

शिव आमंत्रण, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के घाटकोपर सेवाकेंद्र द्वारा एक अनोखे सामूहिक ध्यान-साधना कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य था कि सूखा प्रभावित क्षेत्रों में जल्दी से जल्दी बारिश तथा ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले जन-जीवन में ऐसी विकट परिस्थिति में सभी का आन्तरिक सन्तुलन बना रहे।

ऑडिओ विज्युअल साधनों द्वारा संगठित योग-साधना का कार्यक्रम अत्यंत शांतिपूर्वक और शक्तिशाली प्रकम्पनों के साथ सम्पन्न हुआ। मुंबई और आसपास के स्थानों से लगभग 3000 राजयोगी और सहभागियों ने अपने श्रेष्ठ और शक्तिशाली संकल्पों से उपयुक्त बरसात के लिए प्रकृति का आह्वान किया।

मुंबई मेडिटेटिंग कार्यक्रम के संस्था के सूचना निदेशक बीके करूणा ने कहा कि हमें सदा ही प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर रखना चाहिये ताकि ऐसी परिस्थिति भविष्य में ना आये।

घाटकोपर सबजोन की निदेशिका बीके नलिनी ने कहा, हम सभी ने प्रकृति द्वारा मिलने वाले हर साधन का बहुत दुरूपयोग किया है। यही कारण है कि आये दिन प्राकृतिक समस्याएँ बढ़ती ही जा रही है। अभी समयानुसार हमें फिर से प्रकृति प्रदत्त साधनों का सदुपयोग करना है और इसके लिये योजनाबद्ध तरीके से चलना ही होगा, नहीं तो एक दिन ऐसा आयेगा कि हमारा इस धरा पर रहना दूभर हो जायेगा।

ब्रह्माकुमारीज़ के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक बीके करूणा ने कहा कि देखा गया है ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों में काफी जागृति आती है। लोग अपने जीवन में उपयोगी बदलाव लाते है जो काफी सराहना योग्य है।

बीके योगिनी, बीके मीरा और बीके गोदावरी ने जल-बचत विषय पर विस्तारपूर्वक समझाया तथा डोंबिवली जोन की निदेशिका बीके शकू ने कार्यक्रम का संचालन किया और जल-बचत के लिए सबसे प्रतिज्ञा करवाई।

इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर जल बचत प्रदर्शनी को भी आयोजित किया गया जिसमे जल की बचत के प्रयास के विषय मे सभी को समझाया गया।

इस अवसर पर विले पार्ले सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके योगिनी, मुलुण्ड सबजोन प्रभारी बीके गोदावरी, घाटकोपर के बीके निकुंज समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मकरंद अनासुरे से की मुलाकात

शिव आमंत्रण, मुंबई। महाराष्ट्र में नाम फाऊंडेशन द्वारा किसानों की आर्थिक मदद करने वाले मराठी अभिनेता मकरंद अनासपुरे से महाराष्ट्र के थाणे में टिप-टॉप प्लाजा में मुलुंड सेवाकेंद्र संचालिका बीके सरला ने मुलाकात की। इस अवसर पर बीके सरला ने किसानों की स्थिति को समर्थ बनाने में सहायक शाश्वत यौगिक खेती अभियान जो पूरे भारतवर्ष में चलाया जा रहा है, के बारे में जानकारी दी। शाश्वत यौगिक खेती को किसान हितैषी बताते हुये अनासपुरे ने कहा कि ऐसी यौगिक पद्धति का महत्व सभी किसानों का समझना चाहिये ताकि पर्यावरणीय बदलाव बावजूद भी किसानों को किसी भी तरह की परेशानी ना हों। अन्त में संस्था सदस्या बीके सरला ने अनासपुरे को ईश्वरीय सौगात भेंट की।

नासिक में ज्योतिर्लिंगम् दर्शन मेला

शिव आमंत्रण, नासिक। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के नासिक सेवाकेंद्र द्वारा कला नगर में द्वादश ज्योर्तिलिंगम् दर्शन आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया गया। पूरे भारत में फैले 12 ज्योर्तिलिंगमों की सुंदर प्रतिमा यहां सजाई गई। जिसके द्वारा यहां आए हुए लोगों को परमात्मा के दिव्य संदेश के साथ-साथ 12 ज्योर्तिलिंगमों के रहस्यों से भी अवगत कराया गया। इस मेले में सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लेते हुए आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग की भी जानकारी प्राप्त की। इस मेले के दौरान आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त जिलाधिकारी विवेक गायकवाड, ईएनटी डॉ. शब्बीर इंदोरकर, नगरसेवक संभाजी मोरूस्कर, सविता दलवानी, सुनिता ओहोल, नासिक सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वासंती, नासिक रोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पारू समेत संस्था के कई सदस्यों ने दीप जलाकर किया। इस अवसर पर बीके वासंती ने कहा कि संसार परिवर्तन का नियम है। इसलिए जीवन में ज्ञान जरूरी है।

धूमधाम से मनाया गया कांदीवली वेस्ट सेवाकेंद्र का स्वर्ण जयंती महोत्सव

ईश्वरीय स्नेह ही बदलाव का आधार : शेट्टी

कांदीवली वेस्ट ब्रह्मा कुमारी सेवा केन्द्र के स्वर्ण जयंती महोत्सव में उपस्थित अतिथि।

शिव आमंत्रण, मुंबई। कांदिवली वेस्ट ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र का स्वर्ण जयंति महोत्सव भुराभाई ग्राऊंड में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम मे वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनों के अलावा बॉलिवुड, संगीत, राजनीति तथा विविध क्षेत्रों से जुड़ी हुई हस्तियों ने भी अपनी शुभ भावनाएं प्रकट की।

इस कार्यक्रम का विषय था ऍन इवनिंग टू एक्स्पिरियन्स द पॉवर ऑफ स्प्रीच्युअल लव एण्ड हॅपीनेस। कार्यक्रम की शुरूआत इंडियन आयडॉल के प्रतिभागी विशाल कोठारी और बॉलिवुड पार्श्वगायिका संजीवनी भिलांडे के संगीत संध्या से प्रारंभ हुआ। इंटरनेशनल स्पीकर तथा आस्था चैनेल के प्रवक्ता डॉ. गिरीश पटेल ने मैजिक ऑफ मेडिटेशन नामक आठ दिवसीय नि:शुल्क शिविर पर प्रकाश डाला।

सामूहिक स्वागत नृत्य के पश्चात कांदिवली सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राज ने अतिथियों का स्वागत किया। नॉर्थ मुंबई सबजोन संचालिका बीके दिव्यप्रभा ने मेडिटेशन द्वारा शांति की अनुभूति कराई। बीजेपी विधायक गोपाल शेट्टी ने कहा कि ईश्वर तथा ब्रह्माकुमारी बहनों का स्नेह ही इतने बड़े परिवार को शांतिपूर्वक ढ़ग से एकत्रित पाते हैं। माऊण्ट आबू स्थित ज्ञानसरोवर की संचालिका बीके निर्मला ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि ईश्वरीय स्नेह और आध्यात्मिक आचरण ही आज विश्व के सामने संस्था को प्रत्यक्ष कर रहा है। अगर हर मनुष्य के जीवन में ये ज्ञान उतरने लगे तो जीवन दिव्य और दूसरों के लिये प्रेरणादायी बन जाता है। विधायक योगेश सागर, शिवसेना गटनेता योगेश गोशालकर, संगीतकार समीर सेन तथा बॉलिवुड पार्श्वगायिका प्रिया मुजुमदार ने शुभकामनाए व्यक्त की।

शिव संगम भवन का उद्घाटन

कांदिवली स्वर्णजयंति मे मंचासीन अतिथि और योग के लिए उपस्थित जनसमुदाय।

शिव आमंत्रण, नीमच। मध्यप्रदेश के पिपलिया मण्डी में नवनिर्मित शिव संगम भवन का उद्घाटन संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संस्था के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, नीमच सेवा केंद्र प्रभारी बीके सविता, क्षेत्रीय निदेशक बीके सुरेंद्र ने किया।

निकाली गई रैली, दादी का भव्य स्वागत

इस अवसर पर संस्था की बहनों ने सिर पर कलश व हाथों में शिवध्वज लिए स्वागत रैली में हिस्सा लिया। नीमच सेवाकेंद्र पर पहुंचने पर दादी का स्वागत सी.आर.पी.एफ. के डी.आई.जी आर.जी.आर भट्ट ने किया।

यहां स्नेह-मिलन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। दादी रतनमोहिनी जी के साथ डी.आई.जी. व अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। इसी कड़ी में पिपलिया मण्डी में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में संस्था के सदस्य उपस्थित थे।

इसके साथ ही दादी जी समेत अनेक पदाधिकारियों ने नवनिर्मित शिव संगम भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नीमच और मंदसौर जिले के सांसद सुधीर गुप्ता, सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक के अध्यक्ष मदनलाल राठौर, भाजपा महामंत्री संतोष चोपड़ा भी उपस्थित थे।

इसके साथ ही विश्व परिवर्तन महोत्सव नामक विशाल कार्यक्रम का भी आयोजन किया।

मथुरा के जुबली पार्क में बनाया

सभी के मुख्य आकर्षण का केंद्र बना 40 फीट ऊंचा शिवलिंग

शिव आमंत्रण, मथुरा। उत्तरप्रदेश मथुरा के जुबली पार्क में नव वर्ष मेला समिति द्वारा नववर्ष स्वागत महोत्सव संवत 2073 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मेले में जगन्नाथपुरी सेवाकेंद्र द्वारा दो दिवसीय नव निर्माण और नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसके साथ ही 40 फीट ऊंचा शिवलिंग बनाया गया जो सभी के मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। इस दौरान बीके रूपा को नव वर्ष मेला समिति द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बीके रूपा ने बताया कि आज मनुष्य सुख-शांति को पाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है किंतु फिर भी उसे प्राप्ति नहीं हो रही है। अतः इसके लिए जरूरत है परमात्मा को जान उससे संबंध जोड़ने की। इस स्टॉल में कई लोगों ने गुटखा, तम्बाकू, बीड़ी आदि छोड़ने का संकल्प लिया तथा उन्हें निःशुल्क नशा मुक्ति दवा वितरण की गई। इस स्टॉल का सैकड़ों की संख्या में लोगों ने लाभ लिया।

क्विक न्यूज़

जम्मू में 12 ज्योतिर्लिंगम् मेला

अजय सधोत्रा।

शिव आमंत्रण, जम्मू। जम्मू के 248 एबीसी रोड सेवाकेंद्र द्वारा शीला रिसॉर्ट में 12 ज्योतिर्लिंगम मेले का आयोजन किया गया जिसमें जम्मू-कश्मीर के पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर अजय सधोत्रा, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुदर्शन, राजयोग प्रशिक्षक बीके रविंद्र ने रीबन काटकर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अजय सधोत्रा ने संस्था की सेवाओं की सराहना की। वहीं बीके सदस्यों ने उपस्थित सभी जनों को 12 ज्योतिर्लिंगमों के आध्यात्मिक रहस्यों से अवगत कराया। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने पूर्व मंत्री अजय सदोत्रा को आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी द्वारा परमात्म ज्ञान के साथ-साथ राजयोग की भी जानकारी दी। बीके बहनों ने अतिथियों को ईश्वरीय सौगात से सम्मानित भी किया।

चौक सजाओ प्रतियोगिता में दिव्य ईश्वरीय संदेश

शिव आमंत्रण, श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में चौक सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में श्रीगंगानगर सेवाकेंद्र द्वारा रंगोली तथा झांकी के माध्यम से बेटी बचाओ सशक्त बनाओ जैसे अनेक विषयों पर प्रकाश डाला गया। इस प्रतियोगिता में ब्रह्माकुमारीज़ ने सहभागिता लेते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ऐसे ही पतंजलि योग सेवा समिति द्वारा बीके बहनों को महिलाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। जिसमें बीके उषा और बीके स्वाति ने नारी और पुरूष दोनों को सशक्त बनने की बात कही। कार्यक्रम में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी का मनोबल बढ़ाने तथा उनकी सुरक्षा करने की बात समझाई गई।

जलोटा को ईश्वरीय सौगात भेंट

अनूप जलोटा को सौगात देते हुए।

शिव आमंत्रण, हरदोई। हरदोई मे गजल गायक अनुप जलोटा से सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रोशनी ने मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट की और ईश्वर का ध्यान कर परमात्मा से सर्व सुखों की प्राप्ति का संदेश दिया।

हिमाचल के मुख्यमंत्री से मुलाकात

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को ईश्वरीय सौगात देते हुए बीके भगवान, बीके सुनीता और बीके यशपाल।

शिव आमंत्रण, शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में संस्था के सदस्यों ने मुख्यमंत्री वीर भद्र सिंह से मुलाकात की। इसके साथ ही ईश्वरीय ज्ञान चर्चा करते हुए ईश्वरीय सौगात भेंट की। माउंट आबू से पधारे राजयोग शिक्षक बीके भगवान, बीके सुनीता, बीके यशपाल ने मुख्यमंत्री को संस्था की गतिविधियों से भी अवगत कराया।

कुष्ठ रोगियों के लिये कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, मंडी । हिमाचल प्रदेश के मंडी में स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा कुष्ठ रोगियों के लिए सकारात्मक चिंतन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के मुख्यालय से आये बीके भगवान ने कहा कि हमारे जीवन में अगर कोई परिस्थिति आती है तो हमें अपने सकारात्मक रवैये को कभी नहीं छोड़ना चाहिये क्योंकि सकारात्मक सोच आने वाली हर परिस्थिति में हमें हल्का रखती है। साथ ही कर्मो को श्रेष्ठ बनाने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान को धारण करना जरूरी है।

यौगिक खेती का शुभारम्भ

शिव आमंत्रण, नोयडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिला के राजपुर कला गाँव (ग्रेटर नोयडा से 15 कि. मी. की दूरी पर) में 40 बीघा खेत में शाश्वत योगिक खेती का शुभारम्भ किया गया। यहां शाश्वत यौगिक खेती टीवी टॉक शो की एसोसिएट डायरेक्टर बी.के जमीला तथा ग्रेटर नोयडा पी-3 सेक्टर सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके प्रीती ने भूमि पूजन किया। खेत के मालिक बीके ब्रह्मदेव भी उपस्थित थे। यहाँ ध्यान कक्ष तथा अन्य यौगिक खेती प्रशिक्षण केंद्र की योजना है। इसका प्रयोग संस्था का

बेटी बचाओ

17 दिवसीय जिला स्तरीय बेटी बचाओ अभियान का जलगांव में शुभारम्भ

शिवतीर्थ मैदान में नर-नारी में भेदभाव मिटाने का लिया संकल्प

जलगांव के बेटी बचाओ कार्यक्रम में महिला प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा बीके चक्रधारी व अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण, जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव में जिलास्तरीय अखिल भारतीय बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ अभियान का शुभारंभ किया गया। 17 दिवसीय इस अभियान के शुभारंभ के अवसर पर शिवतीर्थ मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन संस्था की महिला प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा बीके चक्रधारी, जलगांव की उपक्षेत्रिय निदेशिका बीके मीनाक्षी, सांसद रक्षाताई खडसे, विधायक राजु मामा भोले, अभियान के संयोजक डॉ. राजेंद्र फड़के, समाज सेवक नरेंद्र अण्णा पाटिल, अस्मिता फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अस्मिता पाटिल, रूक्मिणी फाउण्डेशन की अध्यक्षा वासंती चौधरी समेत कई विशिष्ट महिलाओं ने दीप जलाकर किया।

इस अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुये संस्था की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके चक्रधारी ने कहा कि बेटी बचाओ का तात्पर्य केवल कन्या भ्रूण हत्या रोकना नहीं बल्कि महिलाओं पर होने वाले हर प्रकार के अत्याचारों को रोकना और समाज में जो स्त्री-पुरूष के नाम पर भिन्नता है उसे समाप्त करना है।

इस अवसर पर रूक्मिणी फाउंडेशन की ओर से ब्रह्माकुमारी बहनों का सम्मानित करने के साथ-साथ समाज में जिन व्यक्तियों ने बच्चियों को गोद लिया है उनको तथा महिला सरपंचों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इस दौरान नगरवासियों की ओर से बीके चक्रधारी को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया तथा उपस्थित विशिष्ट महिलाओं को ईश्वरीय सौगात भेंट की गई।

अभियान के अवसर पर भोपाल के अरेरा कॉलोनी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रानी ने अपनी चोटी से एंबुलेंस खींचकर नारी शक्ति से उपस्थित लोगों को परिचित करवाते हुए बताया कि इसके पीछे कोई दैवी शक्ति व जादू नहीं बल्कि राजयोग की शक्ति से दृढ़ मनोबल से कठिन से कठिन बातें संभव हो पाती हैं।

निकाली गई रैली: कार्यक्रम से पूर्व रैली भी निकाली गई जिसका अतिथियों तथा संस्था सदस्यों ने शिव ध्वज दिखाकर उद्घाटन किया। इस विशाल रैली में बैंड बाजा, चैतन्य झांकी तथा प्रेरणात्मक स्लोगन्स व बैनर के माध्यम से बेटियों को सशक्त बनाने तथा नारी शक्ति की वास्तविक पहचान कराने का प्रयास किया गया। जिसमें कई स्कूलों के बच्चों तथा संस्था के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अभियान के तहत लोगों को बेटियों की सुरक्षा करने तथा नारियों का सम्मान करने की प्रेरणा देने के लक्ष्य से सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

यह अभियान जलगांव के कई स्थानों पर चलाया गया। जिसके द्वारा लोगों में बेटियों के प्रति हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिये जागरूकता का प्रयास किया गया।

बेटियों प्रति बदलें अपनी सोच

शिव आमंत्रण, लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर सेवाकेंद्र तथा अनुपमा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में सिटी मन्टेसरी स्कूल में बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजवादी पार्टी की महिला राष्ट्रीय अध्यक्षा रंजना वाजपेयी, आई.एफ.एस. की मुख्य वन संरक्षक इवा शर्मा, आई.आर.एस कल्पना दुबे, अनुपमा फाउंडेशन की फाउंडर अनुपमा सिंह, जूही सिंह, 1090 वुमेन्स हेल्पलाइन के प्रमुख मोहम्मद अली साहिल, संस्था के महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके चक्रधारी, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राधा समेत संस्था के कई सदस्यों ने दीप जलाकर किया। यहां अतिथियों का स्वागत बच्चों ने सुंदर नृत्य द्वारा किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने संस्था के बेटी बचाओं सशक्त बनाओं अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बेटियाँ हर क्षेत्र में अव्वल आ रही है। अब हमें बेटियों के प्रति अपनी सोच को बदलना ही होगा ताकि एक भेदभाव मुक्त समाज का निर्माण हो सके।

गोमतीनगर सेवा केंद्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

सर्व धर्म इंटरफेथ लीडर मीट

सब मिल कर लाएंगे स्वच्छता की क्रांति

उज्जैन महाकुंभ में स्वच्छता क्रांति लाने का संकल्प लेते हुए विविध धर्मो के संत एवं ब्रह्मा कुमारी बहनें।

शिव आमंत्रण, उज्जैन। उज्जैन महाकुंभ 2016 एक ऐतिहासिक पहल का साक्षी बना जहां पहली बार विभिन्न धर्म प्रमुख सद्भावना संकल्प के माध्यम से भारत में स्वच्छता क्रांति लाने का आहवान करने के लिए एकजुट हुए। जिसके लिए सर्व धर्म स्वच्छता संकल्प इंटरफेथ लीडर मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ को भी आमंत्रित किया गया। जिसमें माउंट आबू ग्लोबल हास्पिटल में जनसंपर्क एवं संचार की प्रबंधक बीके बिन्नी, भोपाल के गुलमोहर कॉलोनी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रीना ने शिरकत की।

ग्लोबल इंटरफेथ वाश एलायंस एवं संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनीसेफ के संयुक्त तत्वाधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ समेत ग्लोबल इंटरफेथ वाश एलायंस के सह संस्थापक स्वामी चिदानंद सरस्वती, जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानद महाराज, जावा का महासचिव साध्वी भगवती सरस्वती, ऑल इण्डिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष इमाम उमर इलियासी, डी एस जी एम सी के अध्यक्ष परमजीत सिंह चंडोक, अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि, महाबोधी इंटरनेशनल सेंटर के अध्यक्ष वेन भीक्खू, संघसेना, प्रमुख जत्थेदार अकालतख्त ज्ञानी गुरू चरण सिंह समेत कई धार्मिक प्रतिनिधि मौजूद थे।

इस अवसर पर स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि जैसा हम स्वप्न देखते हैं दुनिया वैसे ही बन जाती है। और आज भारत को स्वच्छ तथा हर तरह से भरपूर देखने का समय आ गया है। इसके साथ ही अन्य धार्मिक प्रतिनिधियों ने कहा कि एक धर्म गुरू होने के नाते हम सभी अपनी शांति की परिभाषा में यह शामिल करें कि सभी के जीवन में स्वास्थ्य के साथ पेयजल व स्वच्छता प्राप्त हो। ऐसे ही क्षिप्रा नदी के तट पर जीवा और यूनिसेफ द्वारा सर्व धर्म स्वच्छता संकल्प तथा महा आरती का आयोजन किया गया जहां सभी ने अपने आसपास के वातावरण का स्वच्छ रखन तथा दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संकल्प लेने के साथ जल की भी बचत करने तथा दुरूपयोग न करने का संकल्प लिया। इस दौरान हुए महाआरती में सभी धर्मों के प्रतिनिधि समेत यूनिसेफ के कई पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। सिंहस्थ कुंभ मेले में गुलमोहर कॉलोनी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रीना ने जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद महाराज समेत अनेक महात्माओं से मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट की तथा निराकार परमात्मा को सत्य स्वरूप में याद कर जीवन में सच्ची सुख शांति प्राप्त करने का आहवान किया।

अंतरराष्ट्रीय जगत

नॉर्थ टेक्सास में तपस्या धाम

शिव आमंत्रण, डेलास। अमेरिका में डेलास के नॉर्थ टेक्सास में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के नवनिर्मित तपस्या धाम रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन वेस्टर्न अमेरिका की क्षेत्रीय संयोजिका बीके चंद्रू, रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके रंजन ने शिवध्वजारोहण कर किया। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए जिसमें सेवाकेंद्र से जुड़े लोगों ने शानदार प्रस्तुति दी। इस खुशी के मौके पर संस्था के सदस्यों ने बीके भाई-बहनों को शुभकामनाएं दी।

मलेशिया में गहन योग साधना

शिव आमंत्रण, कुआलालंपूर। मलेशिया में ब्रह्माकुमारीज संस्थान एशिया रिट्रीट सेंटर में बींग सिंपल एण्ड सैंपल टू रिवील द फादर थीम के अन्तर्गत संस्था से जुड़े सदस्यों के लिये रिट्रीट का आयोजन किया गया। जिसमें मलेशिया, भारत, सिंगापुर, हाँगकाँग के सेवाकेंद्र से जुड़े लोगों ने सहभागिता की। इस रिट्रीट में बच्चों तथा बड़ों के लिये अलग-अलग कार्यक्रम रखे गये जिसमें उनके व्यावहारिक जीवन से सम्बन्धित विषयों पर प्रकाश डाला गया। सवाल - जवाब का भी एक कार्यक्रम सबके लिए इस अवसर पर आयोजित किया गया और राजयोगी जीवनशैली के बारे में सबको अवगत करवाया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में संस्था से जुड़े दुबई से बीके मीलू और बीके गिरीश शामिल हुए। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मीरा, बीके लेचू, बीके पीरू ने भी सहभागियों से अपने अनुभवों को साँझा करते हुए बताया कि किस तरह से सकारात्मक विचारों के प्रयोग द्वारा हम अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं। कार्यक्रम के अंत मे ब्रह्माभोजन आयोजित किया गया और सबका सामुहिक नृत्य का कार्यक्रम भी हुआ।

वन गॉड वन वर्ल्ड फैमिली कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, ऑकलेंड। न्यूजीलंड के ऑकलेंड सेवाकेंद्र द्वारा वन गॉड वन वर्ल्ड फैमिली विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रोमन कैथोलिक जीथ रामचंद्रा, जॉन लार्डनर रेवलीन, इस्कॉन से शांतनु मैती, बीके भावना समेत कई गणमान्य लोगों ने दीप जलाकर किया। इस अवसर पर बीके भावना ने उपस्थित सभी धर्म के अनुयायियों को परमपिता शिव का दिव्य संदेश दिया तथा बताया कि इस समय परमात्मा स्वंय इस धरा पर उपस्थित हो चुके है। वो हमें अपना जीवन दिव्य बनाने का ज्ञान बहुत ही व्यावहारिक विधि से दे रहे है। अत: हमें इस ज्ञान को अपने जीवन में उतारना चाहिये।

मास्को में बही काव्य रसधारा

शिव आमंत्रण, मॉस्को। रशिया के मॉस्को सेवाकेंद्र पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें रूसी लिटरेरी एसोसिएशन से कई माननीय कवियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर ऑपेरटा थिएटर की सोलो सिंगर कोंसर्टेटिन उजहवा समेत संगीतकार और कई प्रसिद्ध कवियों ने सहभागिता की। वहीं मॉस्को की निदेशिका बीके सुधा ने विशिष्ठ लोगों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को एक नई दिशा देना और कविता के शिक्षण को बढावा देना रहा। यहां सभी कवियों ने अपनी-अपनी कविताओं कें माध्यम से लोगों को जीवन में सकारात्मकता लाने तथा खुशहाल जीवन जीने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सम्मेलन में हुए विजेताओं को अवॉर्ड देकर सम्मानित भी किया गया।

बाल विकास पर मॉस्को मे कॉन्फ्रेंस

शिव आमंत्रण, मॉस्को। रशिया की राजधानी मॉस्को के सिविक चैम्बर ऑफ द रशियन फेडरेशन में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। स्पीच एंड क्रिएटिव स्पेस फॉर चाइल्ड डेवलपमेंट विषय पर आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया। मॉस्को सेवाकेंद्र की निदेशिका बीके सुधा ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि आज वर्तमान समय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें भौतिक ज्ञान के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान की अधिक जरूरत है क्योंकि अच्छे संस्कार की धारणा आध्यात्मिक ज्ञान से ही संभव है। आध्यात्मिक ज्ञान के समावेशता के लिए राजयोग जरूरी है। इस अवसर पर बीके सुधा ने उपस्थित जनों को ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया।

क्लाइमेट चेंज स्टेटमेंट पर धार्मिक नेताओं के हस्ताक्षर

शिव आमंत्रण, संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने दुनिया भर में 270 उच्च स्तर के धार्मिक नेताओं से इंटरफेथ क्लाइमेट चेंज स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर प्राप्त किए। जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से यूरोप सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके जयंती ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर चर्च सेंटर में कलरफुल मल्टीफेथ सेरीमनी का आयोजन किया गया जिसमें बौद्धी, पारसी व सिक्ख समेत अनेक धार्मिक प्रतिनिधि मौजूद थे। उच्च स्तर के 270 धार्मिक नेताओं, 4970 लोग तथा 176 धार्मिक समूहों से संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष राजदूत मोगेंस लाइकेटोफ्ट ने सभी के हस्ताक्षर प्राप्त किए।

इस उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ के प्रतिनिधि के रूप में बीके गायत्री और संस्थान से जुड़ी बीके जूलिया ने सहभागिता की। जिसमें संस्था के ज्ञान से उपस्थित जनों को अवगत करवाते हुए बीके गायत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संगठन का मानना है कि मनुष्य के आंतरिक शक्ति की जागृति से ही दुनिया का नवीनीकरण होगा। न केवल आध्यात्म और धार्मिक समुदाय द्वारा बल्कि प्रत्येक मनुष्य में मानवता आने से ही यह संभव है। इसके साथ ही जर्मनी सरकार, भारत सरकार और ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू में बनाए जा रहे 1 मेगावाट सोलार थर्मल पॉवर प्लांट की जानकारी दी।

व्यवहार में होना चाहिए सुसंवाद

शिव आमंत्रण, कैम्ब्रिज। यूके के ब्रह्माकुमारीज संस्थान कैम्ब्रिज सेवाकेंद्र से बीके डॉ. प्रशांत ने रशिया के सेंट पीटर्सबर्ग में 33.6 मिलियन क्लब की वुमेंस लीडर्स से हेल्थ ऐज एन आर्ट द न्यू डाइमेंशन विषय पर चर्चा की। 33.6 मिलियन क्लब 45 वर्ष से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए है और ये महिलाएँ रशिया के राजकीय, आर्थिक, सामाजिक जीवन मे सक्रिय है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बीके प्रशांत ने उपस्थित श्रोताओं को अपने कार्य-व्यवहार के दौरान 'लव एण्ड लॉ' के बारे में विस्तार से समझाया।

रशिया के सबसे बड़े बुक स्टोर चेन बुक वॉइड में कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें बीके डॉ. प्रशांत ने सभी उपस्थित रीडर्स को स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी देते हुए कहा कि आरोग्य माना सुसंवाद है। जिस समाज मे सुसंवाद है वह समाज सदा नैतिक गुणों से सम्पन्न रहता है। अगर सुसंवाद हमारी व्यावहारिकता से निकल गया तो ये छोटी सी कमी भी हमारे स्वास्थ्य के साथ-साथ पूरे समाज की व्यवस्था की बिगाड़ने का कारण बन जायेगी। इस दौरान सेवाकेंद्र पर टाइम हिल्स विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

परिवहन से जुड़े लोगों के लिए दो दिवसीय सेमिनार

बदलाव के लिये आध्यात्मिकता जरूरी : कालरा

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

शिव आमत्रण, गुडगाव। आज के भौतिक जगत में कार्य करते-करते हम आध्यात्मिकता से बहुत दूर हो गये हैं। मशीनों के साथ-साथ मानव भी एक मशीन बन चुका है। ईश्वरीय ज्ञान के आधार पर ही हम अपना बदलाव कर सकते है। उक्त विचार राकेश कालरा,रीजनल एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर (एयरपोर्ट अॅथारिटी ऑफ इण्डिया) ने गुड़गाँव, भोड़कलां स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में यातायात एवं परिवहन से जुड़े लोगों के लिए आध्यात्मिकता द्वारा कार्य में श्रेष्ठता विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि यहाँ पर आकर मुझे जिस आत्मिक आनन्द का अनुभूत हो रहा है, मैं उसे शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।

भारतीय रेल्वे के उप महानिदेशक एस पी शर्मा ने कहा कि जीवन में अगर हमें परिवर्तन करना है व अनुभूति करनी है तो ज्ञान को प्रत्यक्ष रूप से अपने अन्दर धारण करना होगा, सिर्फ सुनी-सुनाई बातों से अनुभूति नहीं होती।

इस अवसर पर परमानन्द, सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् ने अपने वक्तव्य में कहा कि जितना हम जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाते हैं उतना ही हमारे अन्दर करूणा, दया, उदारता, रहम एव सहनशीनता जैसे महान गुणों की जाग्रति होती है। ज्ञान के चिन्तन से ही हम शक्तिशाली बनते हैं। दिल्ली परिवहन निगम के उप महानिदेशक भ्राता बी दास ने बताया कि डीटीसी के चालकों एवं परिचालकों में आज तनाव बढ़ता जा रहा है, हम चाहते हैं कि ब्रह्माकुमारीज़ के साथ मिलकर उनके लिए राजयोग के विशेष कार्यक्रम रखे जाएं। दिल्ली पुलिस में यातायात विभाग के एसीपी, भ्राता ऋषि राणा ने रोड़ सेफ्टी के बारे में जानकारी दी एवं कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा ही परिवर्तन संभव है।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी बीके आशा ने अपने संबोधन में बताया कि संसार ने हमको जो कुछ भी दिया है उसका हमारे पर एहसान है। हमें भी चाहिए कि हम भी उसके लिए कुछ अवश्य करें। कम से कम इस संसार में रहते हुए अपने गुणों की खुशबू फैलायें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम यात्रा करते हैं, उसी प्रकार ये जीवन भी एक यात्रा है। इस यात्रा में हमें सभी के साथ बड़े प्यार से चलना है। दिल्ली विकासपुरी, ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र की संचालिका सतीश दीदी ने भी सबको अपने आर्शीवचन प्रदान किये।

दिल्ली से बी के मोतीलाल एवं बी के रामनाथ ने भी अपनी शुभ-भावनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम में योग के साथ-साथ अनेक विषयों पर भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन बी के विद्यात्री ने किया। 300 से भी अधिक लोगों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की।

मूल्य के प्रति सजगता है तो न्याय है : वी ईश्वरैया

फरीदाबाद बार एसोसिएशन के वकीलों के सामने बोलते हुए जस्टिस वी ईश्वरैया।

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद। सेक्टर - 12 कोर्ट परिसर मे जूरिस्ट विंग आफ ब्रह्माकुमारीज़ तथा डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के साझे में फरीदाबाद न्यायालय में सकारात्मक चिंतन द्वारा तनाव प्रबन्धन विषय पर संगोष्ठी हुई। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के ज्यूरिस्ट विंग के साझे में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी ईश्वरैया, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, एनआईटी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके उषा, बीके सुधा, राजयोग शिक्षिका बीके पूनम मुख्य रूप से उपस्थित रहीं और कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ की। मुख्य वक्ता जस्टिस वी ईश्वरैया ने कहा कि जब तक हमारे में मूल्यों के प्रति सजगता नहीं होगी तब तक सही न्याय नहीं हो सकता। हम जिस प्रोफेशन से जुड़े हैं उसमें हमेशा यही देखें कि हमारे द्वारा सबको सही न्याय मिले जिससे जीवन मे सुख और शांति आ सके। केवल पैसा कमाना ही उद्देश नही होना चाहिए, बल्कि सही न्याय से सबके जीवन मे उन्नति हो। डिस्ट्रीक्ट और सेशन जज इंद्रजीत मेहता ने कहा जो अपने रिश्तों के महत्व को समझता है वो अपने आप को हर सम्भव बदलने के लिये तैयार रहता है। बदलाव की ये प्रक्रिया राजयोग के प्रयोग से आसान हो जाती है। कार्यक्रम के दौरान अन्य बीके सदस्यों ने भी तनाव से बचने के लिए स्व परिवर्तन करना आवश्यक बताया। अंत में उपस्थित लगभग 250 वकीलों को योगाभ्यास कराया गया जिसका सभी ने भरपूर लाभ लिया। साथ ही अतिथियों को बीके सदस्यों ने ईश्वरीय सौगात भेंट की।

जॉन्स स्कूल से ट्रॉमा सेन्टर तक स्वच्छता अभियान

शिव आमंत्रण, आबू रोड। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्लोबल नर्सिंग कॉलेज, ब्रह्माकुमारी संस्थान व लॉयन्स क्लब, आबूरोड अरावली और हैप्पी क्लब के तत्वाधान में सेंट जॉन्स स्कूल से ट्रोमा सेन्टर तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके तहत नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी, ग्लोबल हॉस्पिटल, लायन्स क्लब, हैप्पी क्लब तथा ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के सदस्यों ने सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इस अभियान के कॉ-आर्डिनेटर बीके भरत व लायन्स क्लब, आबूरोड अरावली के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल कि अध्यक्षता में करीब तीन घंटे तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सड़क के दोंनो ओर सफाई अभियान चलाकर पेड़-पौधे लगाकर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया।

कला, संस्कृति सम्मेलन

कला में योग शामिल हुआ तो वह कला रचनात्मक होती है

संस्था का हर कार्य सबको प्रेरणा देने वाला : सेखिया

कला एवं संस्कृति प्रभाग की ओर से आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, माउंट आबू। ब्रह्माकुमारीज संस्थान माउंट आबू के ज्ञान सरोवर एकेडमी में कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा सुसंस्कृत समाज निर्माण में कलाकारों की भूमिका विषय पर अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। 5 दिवसीय इस सम्मेलन के रिसेप्शन सेशन में संस्था के जनसंपर्क एवं सूचना निदेशक बीके करूणा, ज्ञान सरोवर एकेडमी की निदेशिका बीके डॉ. निर्मला, वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके मोहन सिंघल, प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके कुसुम, फिल्म अभिनेता और निर्माता प्रांजल सेखिया, अभिनेत्री सविता गोयल समेत कई पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस अवसर पर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले सहभागियों का स्वागत गीत व नृत्य के माध्यम से किया गया।

इस अवसर पर आसाम के फिल्म अभिनेता प्रांजल सेखिया ने कहा, फिल्मी दुनिया मे जो कलाकार कार्य करता है उनका कार्य रचनात्मक होता है। अत: उनके अंदर आत्मसम्मान जरूरी है। सिर्फ नृत्य, नाटक, अभिनय से वह पूरा नहीं हो जाता हैं। इन सबके साथ-साथ उनमें सकारात्मकता का प्रवाह भी जरूरी होता है। ब्रह्माकुमारीज़ परिवार का हर कार्य कलात्मक ओर सबको प्रेरणा देने वाला है।

पानीपत की अभिनेत्री सविता गोयल ने कहा, राजयोग का करने से मैंने क्रोध पर काफी हद तक काबू पा लिया है। सारी दुनिया ब्रह्माकुमारीज़ को सुनेगी तो कितनी शांति हो जायेगी। दुनिया से लड़ाई- झगड़े खत्म हो जायेंगे। फिल्म अभिनेता अमित मिस्त्री ने कहा, फिल्मी दुनिया मे चारो तरफ ध्यान रखना पड़ता है और राजयोग यह बात सहज करता है। तीन बरस से मैं इससे जुड़ा हूँ और मुझे इस राजयोग ने बहुत प्रभावित किया है। अभियंता प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके मोहन सिंघल ने कहा, वेस्ट वाटर रिसायकलिंग करके यहां पेड़ पौधे हरे-भरे रखे जाते है। वैसे हमारी सोच में आने वाले विचारों का रिसायकलिंग करेंगे तो इसके साथ बोल और कर्म भी पॉजिटीव बनेंगे।

संस्था के जनसंपर्क एवं सूचना निदेशक बीके करूणा ने कहा कि आने वाली स्वर्णिम दुनिया में कला, संस्कृति को बहुत महत्व है और यह प्रभाग नं. 1 आने वाला है। पीस आफ माईंड चैनेल मे 24 घंण्टा म्युजिक सेवा के लिए कला, संस्कृति प्रभाग को समर्पित करने का प्रयास है।

सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर संस्था के सदस्यों समेत हस्तशिल्प और हथ करघा कॉरपोरेशन के अध्यक्ष नारायण प्रसाद कबीरपंथी, मराठी फिल्मों के निर्माता सारंग जगताप, फिल्म और टीवी कलाकार गीतांजलि वसंत राव, राजा मानसिंह तोमर संगीत और कला विश्व विद्यालय की कुलपति प्रो. डॉ. स्वतंत्र शर्मा समेत अनेक कलाकारों ने हिस्सा लिया और दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सभी ने सुसंस्कृत समाज निर्माण में कलाकारों की क्या भूमिका है इस विषय पर खुलकर चर्चा की।

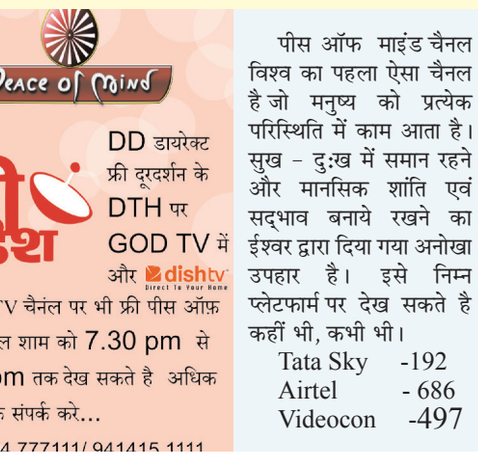

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month
सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन/ 2013/53539**

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307510
आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही मो. 9413384884, 8769830661, shivamantran@bikvv.org